विद्या भारती द्वारा निर्धारित
सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक गीत

संस्कृत गीत
राग - भूपाली (ताल कहरवा)

राष्ट्र भक्तिं करणीयम्। देश हितं आचरणीयम्।।
सन्मार्गे नित चलनीयम्। मातृ हितं शुभ करणीयम्।।

1. श्रेष्ठ जनाः आदरणीयम्। सतगुरू शरणम् गमनीयम्।।
सत्यं वचनं वदनीयम्। प्रगति पथे नित चलनीयम्।
राष्ट्र भक्तिं करणीयम्। देश हितं आचरणीयम्।।
सन्मार्गे नित चलनीयम्। मातृ हितं शुभ करणीयम्।।

2. ऋषि मुनि धरणी सुखनीयम्। परोपकारम् करणीयम्।।
प्रतिदिन प्रभु स्मरणीयम्। लोक हितं आचरणीयम्
राष्ट्र भक्तिं करणीयम्। देश हितं आचरणीयम्।।
सन्मार्गे नित चलनीयम्। मातृ हितं शुभ करणीयम्।।

रचनाकार
श्रीमती मधुबाला जी
गायन स्वर- श्री विनोद कुमार द्विवेदी
मोबाइल-9839206875